COURSE CODE:HND401		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **भारतीय साहित्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
2. हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय देना।
3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।
4. हिंदी में अनूदित साहित्य परिचय देना।
5. साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित कराना।

UNIT-1 18 Hours	आवरण – भैरप्पा (कन्नड़)
UNIT-2 18 Hours	खण्डोवल्लाल (मराठी) – श्रीधर पराड़कर, स्वराज संस्थान, भोपाल
UNIT-3 18 Hours	शिप्रा साक्षी है (हिन्दी) – शत्रुघ्न प्रसाद, साहित्य संसद, दिल्ली
UNIT-4 18 Hours	आनंदमठ (बांग्ला) – बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

UNIT-5 **18 Hours**	आधुनिक भारतीय कविता – सें डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय 3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय 4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा 8. भारतीय चिंतन परंपरा – के. दामोदरन 9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे 10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु 13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार – डॉ. रणवीर रांग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श – सं. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. संस्कृति की उत्तरकथा – शम्भुनाथ 18. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ – के सच्चिदानंद

COURSE CODE:HND402		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE भारतीय मूलभाषा पालि		
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. भारत के मूल भाषा एवं प्रादेशिक भाषाओं के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना। पालिभाषा के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
2. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना।
3. साहित्य के अध्ययन में मूल एवं प्रादेशिक भाषाओं की उपयोगिता स्पष्ट कराना।
4. मूलभाषा एवं प्रादेशिक भाषा के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

UNIT-1 18 Hours	यमक बग्गो, अप्प बग्गो, चित्त बग्गो, पुप्फ बग्गो पाठ्यग्रंथ – पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
UNIT-2 18 Hours	बाल बग्गो, अर्हन्त बग्गो, दण्ड बग्गो, जरा बग्गो
UNIT-3 18 Hours	सुंसुमार जातकम्, बानरिंद जातकम्, बक जातकम्
UNIT-4 18 Hours	सिहचम्म जातकम्, नच्च जातकम्, उलूक जातकम्

UNIT-5 **18 Hours**	पालिभाषा की ध्वनि व्यवस्था, संधि, समास, प्रत्यय, कारक, संख्या की परिगणना पाठ्यग्रंथ – पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
अनुशंसित ग्रंथ	1. पालि साहित्य का इतिहास – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय। 2. पालि साहित्य का इतिहास – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन। 3. पालि जातकावली – पण्डित बटुक नाथ शर्मा। 4. पालि व्याकरण – आचार्य कच्चायन । 5. पालि व्याकरण – भदन्त आनन्द कौशलायन। 6. पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि।

COURSE CODE:HND403		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE: **प्रयोजनमूलक हिंदी**		
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 **18 Hours**	**इकाई प्रथम –**	हिंदी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप क– हिंदी भाषा के विविध रूप – सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा। ख– हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप – प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ।
UNIT-2 **18 Hours**	कार्यालयी, वाणिज्य–व्यवसाय की हिंदी	क– राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। ख– कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ ग– कार्यालयी लेखन : स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, अभ्यास। घ– सरकारी पत्राचार : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र। ङ– व्यावसायिक पत्रलेखन : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र।
UNIT-3 **18 Hours**	मीडिया लेखन :–	क– जनसंचार : – स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय। ख– श्रव्य माध्यम – लेखन : स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन। ग– दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखनः स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथालेखन, टेलीड्रामा, निवेदन, डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य विधाओं का रूपांतरण। घ– विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप और महत्व, भाषिक विशेषताएँ, विज्ञापन लेखन।

UNIT-4 **18 Hours**	कम्प्यूटर, इंटरनेट और हिंदी :– क– कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय। ख– वेब पब्लिशिंग। ग– इंटरनेट का सामान्य परिचय। घ– हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि। ङ– इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग,लिंक ब्राउजिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि।
UNIT-5 **18 Hours**	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार क– सिद्धांत पक्ष 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। 2. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद। 3. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद। ख– व्यावहारिक पक्ष 1. कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग। 2. विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद। 3. बैंक–साहित्य के अनुवाद का अभ्यास। ग– हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
अनुशंसित ग्रंथ	प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गदरे 2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद शाही 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. दंगल झाल्टे 4. हिंदी भाषा की संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी 5. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ. रमेशचंद्र मल्होत्रा 6. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग डॉ. दंगल झाल्टे 7. हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार 8. कामकाजी हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया 9. व्यावहारिक हिंदी– कृष्ण विकल 10. व्यावसायिक हिंदी – डॉ. दिलीप सिंह 11. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ– सं. डॉ. भोलानाथ तिवारी 12. सम्पर्क भाषा हिंदी – सं. सुरेश कुमार एवं ठाकुर दास 13. बैकिंग हिंदी पाठ्यक्रम – सं. कृष्ण कुमार गोस्वामी 14. भाषा आंदोलन – सेठ गोविंददास 15. प्रशासनिक हिंदी निपुणता – हरिबाबू कंसल 16. आवेदन प्रारूप – डॉ. एस.एन. चतुर्वेदी 17. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – चंद्रप्रकाश मिश्रा 18. अनुवाद : सिद्धांत व्यवहार – जयंती प्रसाद नौटियाल 19. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन 20. पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी 21. कम्प्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन 22. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश 23. मीडिया लेखन – संपा. रमेशचंद्र त्रिपाठी 24. भारतीय मीडिया : अंतरंग पहचान – संपा. स्मिता मिश्र 25. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल 26. प्रशासनिक हिंदी : टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन

27. सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग– डॉ. गोपीनाथ श्रीवास्तव
28. दूरदर्शन : दशा और दिशा – सुधीर पचौरी
29. जनमाध्यम और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
30. देवनागरी में यांत्रिक सुविधाएँ – राजभाषा विभाग
31. दृक–श्राव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेन्द्र मिश्र
32. दूरदर्शनः हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
33. राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
34. संवाद और संवाददाता – डॉ. राजेन्द्र
35. साक्षात्कार – श्याम मनोहर जोशी
36. प्रेस कॉनफ्रेंस और भेटवार्ता – डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
37. संपादन कला एवं प्रूफ पठन – डॉ. हरीमोहन
38. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला – डॉ. हरीमोहन
39. सूचना, प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – डॉ. हरीमोहन
40. प्रशासनिक और व्यावहारिक पत्रव्यवहार(खण्ड 1 व 2)–ए.ई.विश्वनाथ अय्यर

:

COURSE CODE:HND421		COURSE TYPE:SSC
COURSE TITLE **लघु शोध प्रबंध**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**
OBJECTIVE:		
90 Hours	स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के पाठ्य–विषयों (कोर्सों) में से किसी एक विशेष क्षेत्र छात्र–छात्रा की रुचि को ध्यान में रखकर प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग द्वारा प्रदत्त शोध विषय पर उसे निर्धारित प्राध्यापकों के निर्देशन में अनुसंधान– प्रविधि का उपयोग करते हुए कार्य करना होगा। अनुमानतः 50 (पचास) पृष्ठों में अंकित लघु शोध प्रबंध अलग–अलग तीन प्रतियों में छात्र–छात्रा को सत्रान्त परीक्षा प्रारम्भ होने के कम–से–कम दो सप्ताह पूर्व विभाग में मूल्यांकनार्थ प्रस्तुत करना अनिवार्य होना। इसका मूल्यांकन विभाग के एक सम्बद्ध प्राध्यापक (आन्तरिक परीक्षक) और एक बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा। उनके द्वारा प्रदत्त अंकों का औसत लब्धांक पत्र (मार्कसीट) में अंकित होगा। लघु शोध प्रबंध 70 (सत्तर) अंक का होगा तथा आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षकों के द्वारा मूल्यांकित अंक 30 निर्धारित होगा।	

<table>
<tr><td colspan="2">COURSE CODE:HNDD01</td><td colspan="2">COURSE TYPE: ECC/CB</td></tr>
<tr><td colspan="4">COURSE TITLE
प्रायोगिक एवं मौखिकी</td></tr>
<tr><td colspan="2">CREDIT:
THEORY: 6PRACTICAL:NA</td><td>HOURS: 90
THEORY: 90</td><td>PRACTICAL:</td></tr>
<tr><td colspan="2">MARKS:
THEORY: 70+30PRACTICAL:</td><td>MARKS
THEORY:</td><td>PRACTICAL:</td></tr>
<tr><td>90 Hours</td><td colspan="3">तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर से सम्बन्धित विभिन्न पाठ्य–विषयों (कोर्सों) पर आधारित कार्य और मौखिकी परीक्षा होगी। छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक कार्य से संबंधित प्राध्यापकों के निर्देशन में पाठ्य विषय से अभ्यास कार्य का लेखन–सृजन करना होगा। विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्य विषय से दो–दो अभ्यास कार्य प्राध्यापक के निर्देशन में सुस्पष्ट लेखन अथवा टंकण करवा कर सत्रान्त परीक्षा के दो सप्ताह पूर्व विभाग में प्रस्तुत करना होगा।

अभ्यास कार्य में विषय के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्षों की गहरी समझ, व्यवसायिक तथा सामाजिक पक्ष का ज्ञान, सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव, दृश्य श्रव्य माध्यम की समझ, सौंदर्य बोध और अन्तर्दृष्टि, रंगकर्म और अभिन्यास संबंधी तकनीकी ज्ञान, भाषा और अभिव्यक्ति कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करेंगे तदुपरान्त मौखिकी परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। प्रायोगिक कार्य के लिए 70 अंक और मौखिकी के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे।</td></tr>
</table>

COURSE CODE:HNDD 02		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **हिंदी पत्रकारिता**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को हिंदी पत्रकारिता के विषय से परिचित कराना।**
2. **हिंदी में कम्प्यूटर के प्रयोग की विधि से अवगत कराना।**
3. **छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के कार्यसाधक प्रयोग की कुशलता विकसित करना।**

UNIT-1 18 Hours	हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास – सामान्य रूपरेखा।
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पत्र – उदंत मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।
UNIT-3 18 Hours	पत्रकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्‌ट, महामना मदन मोहन मालवीय, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी।
UNIT-4 18 Hours	समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत। भेंटवार्ता के प्रकार और उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीचर लेखन, स्वरूप और उद्‌देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, समाचार पत्र की साज–सज्जा, प्रूफ संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान।

UNIT-5 **18 Hours**	पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनाएँ, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तिकरण, संपादकीय लेखन और टिप्पणीलेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तम्भ – प्रूफ संशोधन, पत्र की साज–सज्जा, मुखपृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास – अंबिका प्रसाद वाजपेयी 2. संपूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र 3. पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी 4. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र 5. संपादन कला – के.पी.नारायण 6. पत्रकारकला – विष्णुदत्त शुक्ल 7. पत्र संपादन कला – नंदकिशोर त्रिखा 8. मुद्रण कला – प्रभुल्ल चंद्र ओझा 9. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं. वेदप्रताप वैदिक 10. हिंदी पत्रकारिता : संकट और संत्रास – हेरम्ब मिश्र 11. सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी 12. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी 13. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ 14. पाठ्यग्रन्थ – पत्रकारिता : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDD03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **अनुवाद विज्ञान**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति की जानकारी देना**
2. **अनुवाद के विविध रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया का परिचय देना**
3. **अनुवाद के सामाजिक–सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना**
4. **अनुवाद के समय आने वाली विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान से परिचित कराना**
5. **अनुवाद की क्षमता विकसित करना**

UNIT-1 18 Hours	अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा। अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा। अनुवाद – प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन। कोडीकरण : प्रक्रिया और महत्व। पुनरीक्षण।
UNIT-2 18 Hours	अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवादक की भूमिकाएँ। अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ।
UNIT-3 18 Hours	अनुवाद के प्रकार – लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतरण, अर्थांतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, पाठ्यधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्यरूपांतरण। मशीनी अनुवाद : स्थिति, संभावनाएँ और सीमाएँ।
UNIT-4 18 Hours	अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ : कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी सामग्री का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद, बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद। अनुवाद की सीमाएँ : भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येत्तर।अनुवाद की भारतीय और पाश्चात्य परंपरा : संक्षिप्त परिचय।

UNIT-5 **18 Hours**	अंग्रेजी से हिंदी (एक अनुच्छेद) सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक विषयों से संबंधित अनुच्छेद अथवा पत्र–पत्रिकाओं से संबंधित अनुच्छेद। वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद – दस वाक्यांश अथवा पंद्रह शब्द।
अनुशंसित ग्रंथ	1. अनुवाद विज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी 2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – प्रो.सुरेश कुमार 3. कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका – गोपीनाथ श्रीवास्तव 4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – श्री गोपीनाथन् 5. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी 6. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचंद्र भाटिया 7. अनुवाद कला – डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर 8. अनुवाद प्रक्रिया – रीता रानी पालीवाल 9. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण – डॉ. हरिमोहन

COURSE CODE:HND203		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **कोश विज्ञान**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी कोश निर्माण का इतिहास (नाममाला कोश से थिसारस तक)। हिन्दी कोशों के विभिन्न रूप–शब्द कोश (एकल, द्विभाषी, त्रिभाषी, बहुभाषी),
UNIT-2 18 Hours	व्युत्पत्ति कोश, प्रयोगकोश, परिचय कोश, विश्वविज्ञान कोश, संदर्भ कोश, पात्र कोश, उद्धरण कोश, सूक्ति कोश, लोकोक्ति कोश, मुहावरा कोश, पर्याय कोश आदि।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी की पारभिाषिक शब्दावली के निर्माण का इतिहास, शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग की भूमिका, हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार,

UNIT-4 18 Hours	संकेताक्षर निर्माण की समस्या, हिन्दी में प्रचलित कूट पद (कोड), जनपदीय भाषाओं बोलियों के शब्दकोशों की स्थिति।
UNIT-5 18 Hours	कोश निर्माण प्रविधि– प्रविष्टि संरचना, विभिन्न व्याकरणिक कोटियों का समायोजन, शब्दार्थ निरूपण। उपप्रविष्टियों/संकेताक्षर/संक्षेप्ताक्षर। कोश निर्माण संबंधी विभिन्न समस्याएं – अनेकार्थता, विलोमता, समध्वन्यार्थत्मकता आदि।
अनुशंसित ग्रंथ	1. कोश विज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी 2. कोश निर्माण : सिद्धान्त और परम्परा – डॉ.सुरेश कुमार 3. कोश विज्ञान – सुधा मंगेश कत्रे 4. हिन्दी कोश विज्ञान का उद्‌भव और विकास – डॉ.युगेश्वर 5. कोश–विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. हरदेव बाहरी 6. कोश–विज्ञान सिद्धान्त एवं मूल्यांकन – सं. सतीश कुमार रोहरा एवं पीताम्बर 7. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं – सं. डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं महेन्द्र चतुर्वेदी 8. राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं – डॉ.हरिमोहन 9. विज्ञान तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली द्वारा प्रकाशित विभिन्न बृहत् पारिभाषिक शब्दकोश।

COURSE CODE:HNDD05	COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **पाठालोचन**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	पाठ की अवधारणा, पाठ की विभिन्न प्राचीन भारतीय पद्धतियाँ। पाठानुसंधान – आधारभूत सामग्री की खोज, पांडुलिपि परीक्षण, पुष्पिका का विवेचन, पाठान्तरों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रक्षेपों की पहचान, लिपि विज्ञान तथा पाठ निर्धारण की प्रक्रिया, प्रामाणिक पाठ का संपादन,
UNIT-2 18 Hours	पाठालोचन की प्रमुख पद्धतियाँ – व्याकरणिक, शैली वैज्ञानिक, संरचनावादी, सौंदयशास्त्री, रूप विज्ञान परक।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी पाठानुसंधान का विकास क्रम। पाठालोचन के मानक ग्रंथ – 1. आचार्य विश्वनाथ मिश्र कृत रामचरित मानस का काशिराज संस्करण
UNIT-4 18 Hours	डॉ.वासुदेव शरण अग्रवाल कृत पदमावत का व्यावहारिक विवेचन

UNIT-5 **18 Hours**	डॉ.माताप्रसाद गुप्त कृत कान्हावत का व्यावहारिक विवेचन। हिन्दी पाठालोचन की प्रयोजनीयता।
अनुशंसित ग्रंथ	1. पाठालोचन के सिद्धान्त – डॉ.गोविन्द नाथ राजगुरू 2. पाठभाषा विज्ञान तथा साहित्य –सं. सुरेश कुमार एवं रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 3. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र 4. साहित्य में बाह्य प्रभाव – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 5. गवेषणा (पाठालोचन विशेषांक) – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 6. भारतीय साहित्य (पाठालोचन विशेषांक) – कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी विद्यापीठ, आगरा। 7. हिन्दी पाठानुसंधान – कन्हैया सिंह

COURSE CODE:HNDC03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **भाषा शिक्षण**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी भाषा एवं शब्दावली के विविध रूप– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, कृत्रिम। प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक–बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण, भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों– विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।
UNIT-2 18 Hours	भाषा विज्ञान के मूलाधार– व्याकरण बोध, मानकवर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी शब्द भंडार–पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थ वाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म,
UNIT-4 18 Hours	देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता। कम्प्यूटीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता। हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।

UNIT-5 **18 Hours**	शैली विज्ञान–प्रारंभिक परिचय। हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। हिन्दी भाषा का भविष्य।
अनुशंसित ग्रंथ	1. *भाषा शिक्षण – डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव* 2. *भाषा शिक्षण – सिद्धान्त एवं प्रविधि–मनोरमा गुप्त* 3. *भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – प्र.स. ब्रजेश्वर वर्मा* 4. *हिन्दी शिक्षण : अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य –सं. सतीश कुमार रोहरा एवं सूरजभान सिंह* 5. *अन्य भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण – डॉ.महावीर शरण जैन* 6. *द्वितीय भाषा–शिक्षण : भाषा वैज्ञानिक विधि – मोहब्बत सिंह एवं मानसिंह चौहान* 7. *हिंदी संरचना का अध्ययन–अध्यापन–लक्ष्मीनारायण शर्मा* 8. *हिन्दी भाषण शिक्षण : डॉ.रंगनाथ पाठक* 9. *त्रुटि विश्लेषण : सिद्धान्त और व्यवहार– रामकमल पाण्डेय* 10. *भाषाविज्ञान की अधुनातन प्रवृत्तियाँ और द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी भाषा शिक्षण शिवेन्द्र किशोर वर्मा* 11. *अद्यतन भाषा विज्ञान – शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय* 12. *भाषा विमर्श – शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय*